प्रीलिम्स फैक्ट्स: 22 फरवरी, 2019

डिजिटल इंडिया पुरस्कार

- डिजिटल इंडिया पुरस्कार की स्थापना नेशनल इनफॉरमेटिक्स सेंटर (NIC) द्वारा राष्ट्रीय पोर्टल के तहत 2009 में की गई थी।
- डिजिटल क्षेत्र में विभिन्न सरकारी संस्थानों के प्रयासों को सम्मानित करने हेतु यह एक अलग तरह का पुरस्कार है।
- डिजिटल इंडिया पुरस्कार ने ई-शासन के लिये एक प्रभावी साधन के रूप में विश्वव्यापी वेब-मंच के इस्तेमाल को बढ़ावा देने में प्रमुख भूमिका निभाई है।
- अब तक डिजिटल इंडिया पुरस्कार के चार संस्करणों का आयोजन किया जा चुका है जो वर्ष 2010, 2012, 2014 और 2016 में आयोजित किये गए थे।
- डिजिटल इंडिया पुरस्कार के 5वें संस्करण का आयोजन 22 फरवरी, 2019 को किया जा रहा है।
- डिजिटल इंडिया पुरस्कार के 5वें संस्करण में निम्नलिखित श्रेणियाँ होंगी-

♦ उभरती हुई टेक्नालॉजी
♦ सर्वश्रेष्ठ मोबाइल एप
♦ अच्छी ऑन-लाइन सेवा
♦ ओपन डेटा चैम्पियन
♦ वेब-रत्न- मंत्रालय/विभाग
♦ वेब-रत्न- राज्य/संघ शासित प्रदेश
♦ वेब-रत्न- ज़िला
♦ किसी स्थानीय संस्था द्वारा की गई उल्लेखनीय डिजिटल पहल।

> इस वर्ष के पुरस्कार में एक नई श्रेणी, 'उभरती हुई प्रौद्योगिकियाँ' की शुरूआत की गई है। इस श्रेणी में ऐसी डिजिटल पहल की पहचान कर उसे पुरस्कृत किया जाएगा जिसने उभरती हुई प्रौद्योगिकियों जैसे-ऑर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, मशीन लर्निंग, नेचुरल लेंगवेज़ प्रोसेसिंग, वर्चुअल रियलिटी, ब्लॉकचेन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT), वॉयस यूज़र इंटरफेस, बिग डेटा एंड अनेलेटिक्स का अच्छा इस्तेमाल किया हो।

14वाँ कृषि विज्ञान कॉन्ग्रेस

किसानों की आय वर्ष 2022 तक दोगुनी करने के लक्ष्य के मद्देनज़र दिल्ली में चार दिवसीय कृषि विज्ञान कॉन्ग्रेस का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 20-23 फरवरी, 2019 तक चलेगा।

- गौरतलब है कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (Indian Council of Agricultural Research-ICAR) और भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (Indian Agricultural Research Institute) के सहयोग से NAAS 14वें कृषि विज्ञान कॉन्ग्रेस का आयोजन कर रहा है।
- इस कार्यक्रम में विशेष रूप से कृषि नवाचार के माध्यम से किसानों की स्थिति में बदलाव लाने पर बल दिया जाएगा।
- कृषि विज्ञान कॉन्ग्रेस का विषय 'कृषि रूपांतरण के लिये नवाचार' है। यह कॉन्ग्रेस हर दो साल में एक बार आयोजित की जाती है।
- इस सम्मेलन में 17 देशों के लगभग 2,000 प्रतिनिधियों के भाग लेने की उम्मीद है।